केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - १

रविवार, १६ जुलाई, २०१७ **समय : सुबह ९.०० से १२.००** **कुल गुण : १००**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (६)	
	२ (५)	
	३ (४)	
	४ (४)	
	५ (८)	
	६ (८)	
	७ (७)	
	८ (५)	
	विभाग-१, कुल गुण (४७)	

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	९ (९)	
	१० (८)	
	११ (८)	
	१२ (५)	
	१३ (८)	
	विभाग-२, कुल गुण (३८)	

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१४ (१५)	
	विभाग-३, कुल गुण	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

विभाग – १ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना

प्र. १ निम्नलिखित किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए।
(संदर्भ शास्त्र का नाम और क्रमांक लिखना अनिवार्य है।) (कुल गुण : ६)

१. दिव्यभाव
२. गुणातीत संत की महिमा : श्रीजीमहाराज के शब्दों में
३. 'भगवान सर्वोपरि हैं' यह निष्ठा आवश्यक है

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ३ | |

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ प्रमाण, सिद्धांत अथवा पंक्ति पर से विषय का शीर्षक दीजिए । (कुल गुण : ५)

१. ''मूल अक्षर पण श्रीहरि संगे, मुक्त मंडळने लाव्या उमंगे राज॥'' गुण : १

....

२. ''जो ब्रह्मरूप हो चुका है उसे ही पुरुषोत्तम की भक्ति करने का अधिकार है।'' गुण : १

....

३. ''ये साधु हमारा सर्वस्व हैं, इन्हें हम आपको अर्पण कर रहे हैं।'' गुण : १

....

४. ''इसलिए समस्त क्रियाओं के प्रवर्तक तथा सबके स्वामी मात्र एक ही भगवान हैं।'' गुण : १

....

५. ''उसकी उपमा किसी अन्य धाम के साथ नहीं की जा सकती।... जो अपार है।'' गुण : १

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. अक्षरब्रह्म की अनंत महिमा गुण : २

(१) ☐ अक्षर सबका दृश्य है।

(२) ☐ अक्षर परब्रह्म का साक्षी है।

(३) ☐ ब्रह्म सर्वशक्तिमान है।

(४) ☐ ब्रह्म सूक्ष्मतर है।

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ४		नाम	प्र - ४ गुण - ४		नाम

२. गुणातीत संत की महिमा विभिन्न शास्त्रों में

गुण : २	

(१) ☐ यस्य देवे पराभक्तिर्यथा देवे तथा गुरौ।

(२) ☐ निरपेक्षं मुनिं शान्तं निर्वैरं समदर्शनम्।

(३) ☐ समः सर्वेषु भूतेषु मद्भक्तिं लभते पराम्।

(४) ☐ न तत्समश्चाप्यधिकश्च दृश्यते।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☐ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित किसी एक प्रसंग का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखें। (कुल गुण : ४)

१. 'स्वामी अक्षर हैं।' नृसिंहानंद स्वामी और घनश्यामदास स्वामी के शब्दों में

२. भोजन कैसे करना चाहिए यह आप सब गुणातीतानंद स्वामी से सीखें।

३. श्रीजीमहाराज की सर्वोपरि महिमा का ग्रंथ : 'श्रीहरिलीलाकल्पतरु'

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिद्धांत : .....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☐ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ किन्हीं दो विषयों के बारे में विवरण कीजिए। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. नित्यानंद स्वामी, ब्रह्मानंद स्वामी और भाई आत्मानंद स्वामी के शब्दों में स्वामी का असाधारण महिमा

२. मोक्ष मार्ग में अक्षरब्रह्म की आवश्यकता : परब्रह्म को तत्त्व सहित जानने के लिए

३. भगवान अक्षरधाम में और पृथ्वी के उपर साकार हैं।

(   ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... | गुण : ४ | |

(   ) ....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ८		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित किन्हीं <u>दो</u> के बारे में कारण लिखें। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. प्रकट भगवान और उनके संत के बिना आत्यंतिक कल्याण संभव नहीं है।

२. काल, कर्म, स्वभाव और माया को ही कर्ता मानना भगवान का अतिद्रोह है।

३. जीव जब परमेश्वर की शरण में जाते हैं, तब वे माया के वशीभूत नहीं रहते।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ६ गुण - ८		नाम

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ७ उपसंहार के आधार से निम्नलिखित विधानों की पूर्ति कीजिए ।(कुल गुण : ७)
(उपासना में क्या समझना चाहिए ?)

१. अक्षरब्रह्म भी ....

....

....

....

.... कर देते हैं। गुण : १

२. हमारी उपासना ....

....

....

....

....

.... चरण की ही है। गुण : १

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ७		नाम

३. मुक्ति अवस्था .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... हमेशा रहती है। गुण : १

४. पुरुषोत्तम की प्रेरणा .....

.....

.....

..... स्पष्ट भेद है। गुण : १

(उपासना में क्या नहीं समझना चाहिए?)

५. आज्ञा का पालन किए बिना .....

.....

..... ऐसा नहीं समझना चाहिए। गुण : १

६. वचनामृतादि सत्शास्त्रों .....

.....

..... ऐसा नहीं समझना चाहिए। गुण : १

७. अक्षरब्रह्म मूर्तिमान नहीं है .....

.....

..... ऐसा नहीं समझना चाहिए। गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ प्रकट का अर्थ क्या है? किस रीति से प्रकट हैं? **टिप्पणी लिखिए । (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ५		नाम

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज

प्र. ९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''आपका छोटा बच्चा आज बिमार है।''

कौन कहता है? .... किसको कहता है? ....

कब कहता है? ....

....

.... गुण : ३ [ ]

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ९		नाम

२. ''आपको दोनों विभागों के मुख्य संत नियुक्त किए हैं।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... | गुण : ३ |

३. ''हाँ, यह तो पीना पड़ता है।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... | गुण : ३ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. कुशलकुंवरबा को महाराज के स्वरूप में दृढ़ प्रतीति हो गई। **अथवा**

२. लालजी भक्त महाराज के रास्ते के जानकार बन गए।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

३. स्वामीश्री की प्रभुभक्ति गौण या मंद नहीं होती। **अथवा**

४. डाह्याभाई का मन अक्षरधाम के परम आनंद को भोग रहा था।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर विवरण लिखिए। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. मुक्तानंद स्वामी का महाराज में दिव्यभाव **अथवा** २. नि:स्पृह भाववाले शिवलाल सेठ

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

३. अभिशाप था अथवा जीवन के अमूल्य आनंद का सुयोग **अथवा** ४. हेत तो करे छे केवुं अनंत जननी जेवुं

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ११ गुण - ८		नाम	प्र - १२ गुण - ५		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. प्रत्यक्ष दर्शन की प्यास बुझाने के लिए कुशलकुंवरबा ने महाराज से क्या पूछ लिया? | गुण : १ |

.....

.....

२. निष्कुलानंद स्वामी ने महाराज का सर्वोपरि महिमा का निरूपण करता हुआ कोन सा ग्रंथ लिखा? | गुण : १ |

.....

.....

३. गोपालानंद स्वामीने कब और कहाँ देह का त्याग किया? (संवत्, मास, तिथि) | गुण : १ |

.....

.....

४. बिमार विद्यार्थी के सिर पर शीतल स्पर्श करते स्वामीश्री ने क्या कहा? | गुण : १ |

.....

.....

५. चोर को किस ने टंकी से बहार निकाला? | गुण : १ |

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १३ गुण - ८		नाम

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें।
(कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. आचार्य रघुवीरजी महाराज ने अपने उत्तराधिकारी चुने — गुण : २

(१) ☐ श्रीपतिप्रसादजी (२) ☐ अयोध्याप्रसादजी

(३) ☐ भगवत्प्रसादजी (४) ☐ विहारीलालजी

२. मुकुन्ददास को भागवती दीक्षा दी — गुण : २

(१) ☐ संवत् १८४२ (२) ☐ वसंत पंचमी

(३) ☐ बंधिया (४) ☐ संवत् १८४३

३. दारेसलाम का हवाई अड्डा — गुण : २

(१) ☐ अमेरिकन अधिकारियों ने घेर लिया

(२) ☐ सोने की तस्करी

(३) ☐ पंच्यासी शिलिंग

(४) ☐ प्रतिदिन पूजा का सामान भी नहीं छोड़ा।

४. बालभक्त शांतिलाल — गुण : २

(१) ☐ हनुमानमढ़ी के मंदिर में हिमालय से जुड़ी कथाएँ होती रहती थीं।

(२) ☐ पिता का नाम धोरीभाई तथा माताश्री का नाम हेतबाई था।

(३) ☐ अगहन के शुक्ल पक्ष की अष्टमी।

(४) ☐ गुरु योगीजी महाराज की एक चिट्ठी उन्हें मिल गई।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☐ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१४ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ६० पंक्ति में निबंध लिखिए। (कुल गुण : १५)

१. प्रमुखस्वामी महाराज जन्मजयंती महोत्सव दिन : सुरत २. छात्रालय की पवित्र भूमि में से परिवर्तन का पवन

३. प्रमुखस्वामी महाराज को देश-विदेश के धर्मधुरों की भावांजलि

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १४ गुण - १५		नाम

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें